संस्करण ● नई दिल्ली ● पानीपत (हरियाणा) ● चण्डीगढ़ ● लखनऊ ● भोपाल (मध्य प्रदेश) ● हल्द्वानी नैनीताल ● देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित... www.publicasia.in

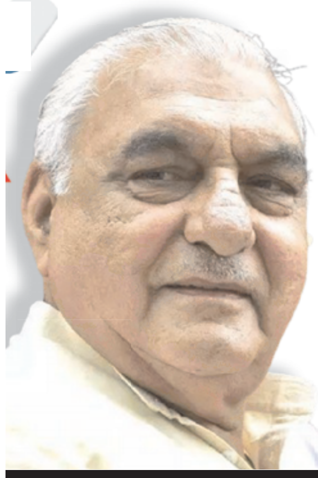

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia e-mail: publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 15, अंक : 251 पृष्ठ : 04, पानीपत, मंगलवार 22 अक्टूबर 2024, मूल्य : 2 रूपये RNI No.- HARHIN/2011/40057

भारत और चीन के बीच एलएसी मुद्दे के समाधान का मार्ग प्रशस्त

» प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय मुलाकात की संभावना जगी

एजेंसी

नई दिल्ली » भारत और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर एक अहम सहमति कायम होने के साथ ही पूर्वी लद्दाख सीमाक्षेत्र में साढ़े चार साल से चले आ रहे चले आ रहे गंभीरतम सैन्य गतिरोध के समाधान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। रूस के कज़ान में 16 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले सोमवार विदेश सचिव विक्रम

मिस्त्री द्वारा की गयी इस घोषणा के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय मुलाकात की संभावना जग गयी है।

विदेश सचिव के अनुसार अब दोनों पक्ष इस सहमति के अनुरूप एलएसी पर अपनी अपनी सैन्य टुकड़ियों को पीछे हटाने और वर्ष 2020 में गलवान घाटी में सैन्य टकराव के बाद उत्पन्न तनाव के मुद्दों के समाधान के लिए कदम उठाएंगे।विदेश सचिव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की रूस यात्रा के बारे में जानकारी देने के लिए सोमवार को बुलाये गये एक संवाददता सम्मेलन में कहा, 'पिछले कई सप्ताह से भारत एवं चीन के राजनयिक एवं सैन्य वार्ताकार विभिन्न मंचों (समन्वय और परामर्श पर कार्य प्रणाली (डब्ल्यूएमसीसी) और सैन्य कमांडरों की बैठक) पर एक दूसरे के साथ निकट संपर्क में रह कर बातचीत कर रहे हैं। इन चर्चाओं के परिणामस्वरूप एलएसी पर गश्त की व्यवस्था के बारे में एक सहमति बनी है। इससे 2020 में उत्पन्न मुद्दों का समाधान होगा और सैन्य टुकड़ियों को पीछे हटाया जाएगा। हम इस दिशा में अगले कदम उठाने जा रहे हैं।' श्री मोदी रूस के कज़ान में होने वाले 16 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कल तड़के रवाना होंगे जहां उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। प्रधानमंत्री की यात्रा के बारे में श्री मिस्त्री ने कहा, 'रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्री मोदी कल कज़ान के लिए प्रस्थान करेंगे। ब्रिक्स के इस संस्करण का विषय वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है।

भारत ब्रिक्स के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसके योगदान ने आर्थिक विकास, सतत विकास और वैश्विक शासन सुधार जैसे क्षेत्रों में ब्रिक्स प्रयासों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले साल जोहांसबर्ग में ब्रिक्स के पहले विस्तार के बाद यह पहला शिखर सम्मेलन होगा।' श्री मिस्त्री ने कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संस्थापक सदस्यों के साथ-साथ नए सदस्य भी भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन 22 अक्टूबर को शुरू होगा और पहले दिन की शाम को केवल शीर्ष नेताओं के लिए रात्रिभोज होगा। शिखर सम्मेलन का मुख्य दिन 23 अक्टूबर है और वहां दो मुख्य सत्र हैं, सुबह एक प्रतिबंधित पूर्ण सत्र और उसके बाद दोपहर में शिखर सम्मेलन के मुख्य विषय के लिए समर्पित एक खुला पूर्ण सत्र। शीर्ष नेताओं द्वारा कज़ान घोषणापत्र जारी किये जाने की भी उम्मीद है जो ब्रिक्स के लिए आगे का रास्ता तैयार करेगा।

मोदी यूक्रेन व रूस के बीच संघर्ष को समाप्त करवा सकते हैं : तोब्गे

नई दिल्ली » भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोब्गे का कहना है कि विश्व के सवा सौ से

अधिक विकासशील देशों के समूह ग्लोबल साउथ को भारत के नेतृत्व पर भरोसा है और वह मानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष को समाप्त करवा सकते हैं। भूटानी प्रधानमंत्री ने सोमवार को यहां एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में यह बात कही। उन्होंने कहा,'भारत की आबादी दुनिया में सबसे बड़ी है, इसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। यह तीस खरब (तीन ट्रिलियन) अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है। अगर कोविड नहीं होता तो इसे पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार करना चाहिए था।' उन्होंने कहा,'भारत में लगभग साढ़े तीन करोड़ प्रवासी लोग हैं। हर पैमाने पर, यह भारत की शताब्दी है।

सिलिंडर ब्लास्ट से पांच लोगों की मौत, कई घायल

प्रदीप पंडित पब्लिक एशिया

बुलंदशहर। सिकंदराबाद में सिलेंडर फटने से दर्दनाक हादसा। ज़ोरदार धमाके से ज़मीदोज़ हुआ मकान, कई लोग मलवे से निकाले गए।महिला व बच्चों समेत अब तक मलवे से बाहर निकाले गए 5 शव।

एसपी सिटी, एसडीएम सीओ और दमकल विभाग अभी भी रेस्क्यू में जुटा। जेसीबी की मदद से लिंटर हटाने का किया जा रहा प्रयास, रेस्क्यू जारी।

अभी भी किसी के अंदर फंसे होने की आशंका, सिलेंडर फटने से हुआ था धमाका।

सिकंदराबाद के गुलावठी रोड स्थित आशापूरी कॉलोनी में हुआ था हादसा।

महिला व बच्चों समेत कई लोगों के अभी भी मलवे में दबे होने की आशंका।लिंटर के नीचे दबे हैं कई लोग, थाना प्रभारी समेत पुलिस मौके पर।बुलंदशहर के सिकंदराबाद के आशापुरी कॉलोनी में हुआ हादसा।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता.	न्यूनतम ता.
33.0°C	20.0°C

संक्षिप्त समाचार

जाजू ने दिल्ली छावनी में शटल बस सेवा का किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली » भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने दिल्ली छावनी और चाणक्यपुरी क्षेत्रों के निवासियों के लिए दो शटल बस सेवाओं का शुभारंभ किया है। दिल्ली छावनी विकास समिति ने स्थानीय समुदाय के उत्थान और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए इस पहल की शुरुआत की है। इस अवसर पर श्री जाजू ने स्थानीय बुनियादी ढांचे को सुधारने के महत्व पर जोर दिया ताकि सभी निवासियों का जीवन स्तर बेहतर हो सके। उन्होंने कहा,'हमारा ध्यान दिल्ली छावनी के लोगों के जीवन को आसान बनाने पर है। ये शटल बसें यहां के यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा प्रदान करेंगी।'

भारत-सिंगापुर के रक्षा मंत्रियों के बीच छठी वार्ता कल

एजेंसी

नई दिल्ली » रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ. एन जी इंग हेन मंगलवार को यहां भारत-

सिंगापुर रक्षा मंत्रियों की छठी वार्ता की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाना है। दोनों पक्ष साझा हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। भारत और सिंगापुर के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है। द्विपक्षीय रक्षा संबंध इस सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। दोनों देशों की सेनाओं के बीच व्यापक संपर्क, सैन्य-से-सैन्य आदान-प्रदान, उच्च-स्तरीय यात्राएं, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सहयोग, जहाज यात्राएं और द्विपक्षीय अभ्यास शामिल करने के लिए प्रतिबद्धताओं में विविधता आई है।

मदरसों को बंद करने की कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली » उच्चतम न्यायालय ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम का कथित उल्लंघन करने वाले गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों की मान्यता वापस लेने और छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने से संबंधित राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की ओर से जारी पत्र पर अमल करने पर केंद्र और राज्य सरकारों को रोक लगाने का सोमवार को आदेश दिया।

पत्र में राज्यों से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने के लिए कहा गया था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने दलील देते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पत्र और उत्तर प्रदेश तथा त्रिपुरा सहित कुछ राज्यों की मदरसे से संबंधित उक्त कार्रवाई पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। मुस्लिम संगठन ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकारों की उस कार्रवाई को चुनौती दी है, जिसमें गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया है। एनसीपीसीआर ने सात जून, 2024 को उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि आरटीई (शिक्षा का अधिकार) अधिनियम का पालन न करने वाले मदरसों की मान्यता वापस ली जाए। शीर्ष अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपने आदेश में कहा, 'एनसीपीसीआर के 07 जून, 2024 और 25 जून के पत्राचार तथा उसके अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव के 26 जून के और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव द्वारा जारी 10 जुलाई तथा त्रिपुरा सरकार द्वारा जारी 28 अगस्त के विचारों के आदान-प्रदान पर कार्रवाई नहीं की जाएगी।'

मोदी की डिग्री पर टिप्पणी मामले में केजरीवाल की याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली » उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता से संबंधित कथित अपमानजनक टिप्पणी मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने इस मामले में आठ अप्रैल को एक अलग पीठ द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की खारिज की गयी याचिका का हवाला देते हुए उन्हें (पूर्व मुख्यमंत्री को) कोई राहत देने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने श्री केजरीवाल का पक्ष रखते हुए श्री सिंह और उनके द्वारा दिए गए बयान के बीच अंतर करने की गुहार लगाई, लेकिन पीठ ने कहा कि उसे एक समान दृष्टिकोण का पालन करना होगा। श्री सिंघवी ने गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीयूष एम पटेल की शिकायत की वैधता पर भी सवाल उठाया और कहा कि अगर बयान अपमानजनक था तो श्री मोदी को इससे आहत होना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उनकी दलीलों का विरोध किया और गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिया, जिसमें श्री मोदी की डिग्री पर सूचना का अधिकार (आरटीआई) याचिका दायर करने के लिए उन (श्री केजरीवाल) पर जुर्माना लगाया गया था, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पहले ही डाल दिया गया था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को करवाया पदभार ग्रहण

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज हरियाणा सिविल सचिवालय में सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) मंत्री कृष्ण कुमार बेदी को पदभार ग्रहण करवाया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कृष्ण कुमार बेदी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और मुंह मीठा करवाया। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी को बहुमत देने के लिए हरियाणा की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हमारी डबल इंजन की सरकार प्रदेश को विकास में आगे लेकर जाएगी। हरियाणा में सभी मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। जिन उम्मीदों के साथ हरियाणा की जनता ने भाजपा को बहुमत दिया, उन पर हम सभी कड़ी मेहनत करते हुए खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि 25 अक्तूबर, 2024 को सभी विधायकों को शपथ दिलवाई जाएगी।

इस मौके पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची के नौकरियां देने में बाधाएं पैदा कर रही है। भर्ती रोको गैंग कांग्रेस द्वारा प्रायोजित है। कांग्रेस और भर्ती रोको गैंग को जनता ने नकार दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर मुख्यमंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार केवल आरोप लगाने का काम करती है। श्री अरविंद केजरीवाल दावा करते थे कि वे सबसे पहले यमुना को स्वच्छ करेंगे, जबकि आज 10 साल बाद भी वे केवल आरोप लगा रहे हैं। वे अपने गिरेबान में झांके और केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली सरकार को दिए गए 6,000 करोड़ रुपये का हिसाब दें। आम आदमी पार्टी के डीएनए में ही केवल आरोप लगाना है। सैनी ने कहा कि जब श्रीमती आतिशी दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी थी, उस समय मैंने उन्हें

सलाह दी थी कि वे अरविंद केजरीवाल के रास्ते पर न चले। परंतु वे भी उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए आज आरोप लगा रही हैं। कांग्रेस की तरह आम आदमी पार्टी भी झूठ का सहारा ले रही है। मुख्यमंत्री ने पराली प्रबंधन के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय पंजाब को हरियाणा से सीख लेने की बात कहते हुए हरियाणा की प्रशंसा कर चुका है। हरियाणा सरकार ने पराली प्रबंधन में काफी बेहतर काम किया है। किसानों को पराली प्रबंधन के लिए 1 एकड़ पर 1,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। साथ ही, किसानों को पराली प्रबंधन के लिए सब्सिडी पर उपकरण भी प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान पराली न जलाएं, इससे न केवल प्रदूषण होता है बल्कि मिट्टी की उपजाऊ शक्ति भी प्रभावित होती है। कार्यभार संभालने उपरांत सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में विभागों का आवंटन हो गया है। हम सभी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भाजपा के संकल्प-पत्र में किए गए वायदों को पूरा करेंगे। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे।

हरियाणा में भाजपा की जीत से भारत में स्थिरता का संदेश मजबूत हुआ है : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्थिरता, निरंतरता और समाधान को दुनिया के लिए आज के युग की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए सोमवार को कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी जीत भारत में स्थिरता का संदेश है।

श्री मोदी ने कहा कि हाल में हरियाणा विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लगातार दूसरी सफलता से स्थिरता का यह संदेश और मजबूत हुआ है। वह राजधानी में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2024 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश ने पिछले 10 साल में उपलब्धियों के जो आयाम तय किए हैं ,उसको देखते हुए आज दुनिया भविष्य के समाधानों के लिए भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के हर कार्यक्रम के केंद्र में देश की जनता के विकास के साथ-साथ 'निरंतरता' (स्वस्थ और टिकाऊ विकास) का उद्देश्य स्पष्ट रूप से आगे रखा गया है। इस सत्र में देश विदेश के नामी उद्यमियों और निवेश को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा ,'छह दशक में पहली बार देश के लोगों ने लगातार तीसरी बार किसी सरकार को अपना जनादेश दिया है, यह स्टेबिलिटी (स्थिरता) का

संदेश है। अभी हरियाणा में हुए चुनाव में भी भारत की जनता ने स्टेबिलिटी के इस भाव को मजबूती दी है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को देश की जनता का पूरा समर्थन है और 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य भारत की 140 करोड़ जनता का लक्ष्य बन गया है । अब जनता इस लक्ष्य को आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का यह समय मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण समय है। ऐसे में आज के युग की बड़ी ज़रूरतें हैं, स्टेबिलिटी, सस्टेनेबिलिटी और सॉल्यूशंस (स्थिरता, निरंतरता और समस्याओं के समाधान)। यह मानव के भविष्य के लिए सबसे जरूरी शर्तें हैं और भारत आज यही हासिल करने का प्रयास कर रहा है। इसमें भारत की जनता का एक निश्चित समाधान है।' श्री मोदी ने कहा कि आज भारत आकांक्षाओं से परिपूर्ण देश है। उन्होंने इसे एस्पिरेशनल इंडिया (एआई) बताते हुए कहा कि जब एस्पिरेशनल इंडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की ताकत मिल जाती है, तब विकास की गति भी तेज होने स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन शानदार रहा है और वैश्विक एजेंसियों ने भारत की वृद्धि दर के अनुमानों में सुधार किए हैं।

श्री मोदी ने कहा कि भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प भी इसी सोच को दिखाता है। उन्होंने कहा, 'आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। इस युवा देश का पोटेंशियल (संभावनाएं) हमें आसमान की ऊंचाई पर पहुंचा सकती हैं । इसके लिए हमें अभी बहुत कुछ करना है और बहुत तेजी से करना है।' प्रधानमंत्री ने अपने 10 साल के कार्यकाल की कुछ उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि पिछले 10 साल में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। इस दौरान करीब 12 करोड़ शौचालय बने, 16 करोड लोगों को रसोई गैस कनेक्शन मिले । पिछले 10 साल में भारत में 350 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज और 15 से ज्यादा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बने । इन्हीं 10 साल में भारत में डेढ़ लाख से ज्यादा नए स्टार्टअप बने और आठ करोड़ युवाओं ने मुद्रा लोन लेकर पहली बार अपना काम शुरू किया।'

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए मार्गेरिटा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

जकार्ता। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा इंडोनेशिया के नवनियुक्त राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मार्गेरिटा ने 19-20 अक्टूबर को इंडोनेशिया गणराज्य का आधिकारिक दौरा किया, जो दोनों देशों के बीच मधुर संबंधों और करीबी साझेदारी को दर्शाता है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा विदेश राज्य मंत्री ने 20 अक्टूबर 2024 को जकार्ता में संसद परिसर में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो और उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। विदेश राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति प्रबोवो ने प्रधानमंत्री मोदी को उनकी शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। यात्रा के दौरान विदेश राज्य मंत्री ने इंडोनेशिया में मौजूद प्रमुख भारतीय कंपनियों के सीईओ के साथ बातचीत की।

मंत्रालय ने कहा इंडोनेशिया भारत का एक व्यापक रणनीतिक साझेदार है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह के लिए विदेश राज्य

मंत्री की यात्रा इस बात की पुष्टि करती है कि भारत एक करीबी साझेदार और समुद्री पड़ोसी के रूप में इंडोनेशिया के साथ अपने संबंधों को कितना महत्व देता है।

अपने इस दौरे के दौरान मार्गेरिटा ने कहा कि हम 2024 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। विदेश राज्य मंत्री ने इंडोनेशिया में अग्रणी भारतीय कंपनियों के सीईओ के साथ एक मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा इंडोनेशिया में मौजूद प्रमुख भारतीय कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यापारिक नेताओं के साथ सार्थक बातचीत हुई। इंडोनेशिया में चल रही निवेश परियोजनाओं पर चर्चा की। आसियान में इंडोनेशिया भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार बनकर उभरा है। (रिपोर्ट. शाश्वत तिवारी)

जहरीली होती हवा से गहराता सांसों का संकट

ललित गर्ग

अभी से दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है।

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में अभी दीपावली आने में कुछ दिन है, उससे पहले ही जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पड़ने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआइ बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली में औसत एक्यूआइ 293 पहुंच गया है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में यह अभी से 300 पार जा चुका है। अतीत का अनुभव बताता है कि आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण से जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। दिल्ली सरकार जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुटेगा, बच्चों एवं बुजुर्गों के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा, अगर दिल्ली सरकार सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर नहीं हैं, वह गंभीर होती तो पहले से कोई ठोस योजना बनाती। दिल्ली के वायु प्रदूषण एवं हवा के जहरीले होने में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है। उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है।

प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? वैसे प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

सुप्रीम कोर्ट राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर कठोर टिप्पणियां करने के साथ सरकार को कठोर एवं प्रभावी कदम उठाने के लिये जागरूक करती रही है। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने से रोकने में पंजाब सरकार की नाकामी पर सख्त टिप्पणी भी की। पंजाब और दिल्ली, दोनों ही राज्यों में आम

आदमी पार्टी की सरकारें हैं, इसलिए यह आप और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा भी बनता रहता है। ध्यान रहे कि पंजाब और दिल्ली के बीच स्थित राज्य हरियाणा में भाजपा की सरकार है। उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार है, जिसके पश्चिमी क्षेत्र के किसानों पर पराली जलाने का आरोप लगता रहता है। आम आदमी की सेहत ही नहीं, जीवन से भी जुड़े इस जानलेवा मुद्दे पर राजनीति नहीं, बल्कि ठोस समाधान की राह निकलनी चाहिए। हमारे राजनीति दल संवेदनहीन नहीं बल्कि संवेदनशील बने। दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न किये जाये। क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में पिछले कुछ सालों में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है।

तमाम बंदीशों एवं चेतावनियों के दीपावली की रात आतिशबाजी जमकर होती है, इसके कारण पिछले साल अगले दिन वायु प्रदूषण 999 के बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। यह आम आदमी की सेहत, खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 401 से 500 तक के एक्यूआइ को ही 'गंभीर' एवं खतरनाक माना जाता है। वायु प्रदूषण से जुड़े आंकडे हमें बार-बार सतर्क एवं सावधान करने के साथ डराते भी है। यह डराने वाला ही आंकड़ा है कि भारत में हर साल वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें होती हैं। देश में होने वाली मौतों का यह पांचवां बड़ा कारण है। दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली और पटाखों की ही तरह वाहनों एवं भवन-निर्माण से जुड़ा प्रदूषण भी खतरनाक होता है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया।

इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मठ्ठा डाल सके।... नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। अभी से हर दिन पराली जलाने की घटनाएं दर्ज होने लगी है। क्या इसे रोकना वाकई इतना कठिन है? आखिर दिल्ली, पंजाब के साथ केंद्र सरकार इसके लिए क्या कर रही है कि किसान पराली न जलाएं? सच यह है कि इसके लिए कोई प्रभावी कोशिश हो ही नहीं रही है। किसानों से बात करने का साहस कोई भी सरकार नहीं दिखा रही है। ऐसा माहौल बना दिया गया है, मानो खेती के नाम पर कुछ भी करने की छूट है। इसका कारण राजनीतिक ही है। कोई किसान है, इसका यह अर्थ नहीं कि उसे वातावरण को दमघोंटू बनाने एवं लोगों के जीवन को संकट में डालने का अधिकार है।

अभी से दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें पराली के प्रदूषण से घातकता कई गुणा बढ़ जाती है। पटाखों का प्रदूषण उससे भी घातक है। 300 से अधिक एक्यूआइ वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं।

लेख

गठबंधन धर्म की लाज फिर खतरे में

करवा प्रधान महिलाओं के देश में गठबंधन की लम्बी उम्र के लिए कोई व्रत करने वाला नजर नहीं आ रहा है। केंद्र की सत्ता से भाजपा को हटाने के लिए एकजुट हुए तमाम राजनीतिक दल एक बार फिर अपनी-अपनी ढपली बजाते नजर आ रहे है। महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा के साथ ही तमाम विधानसभाओं और लोकसभा के उपचुनावों को लेकर गठबंधन की गांठें शिथिल होती दिखाई दे रहीं हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव

के लिए एनडीए गठबंधन ने अपनी तमाम सीटों का न सिर्फ बँटवारा कर लिया है बल्कि उम्मीदवारों की घोषणा भी कर दी है ,जबकि आईएनडीआईए गठबंधन अभी बैठकों से ही फारिग नहीं हो पाया है। महाराष्ट्र में भी कमोवेश यही हालात हैं। सीटों के बंटवारे और प्रत्याशियों कोई घोषणा में हो रही देर इंडिया गठबंधन को भारी पड़ सकती है ,ये जानते हुए भी हर क्षेत्रीय दल कांग्रेस से सौदेबाजी करने में लगा है। हकीकत ये है कि देश में आज ऐसा कोई क्षेत्रीय दल नहीं है जो कांग्रेस को साथ लिए बिना भाजपा को चुनौती दे सके। सौदेबाजी में कांग्रेस का कम लेकिन क्षेत्रीय दलों का ज्यादा नुक्सान होने वाला है।

देश की राजनीति में अब भाजपा कोई किंवदंती नहीं बल्कि एक हकीकत है। भाजपा का एजेंडा भले ही आपको या मुझे रास न आये किन्तु ये सच है कि उसने बीते एक दशक में सत्ता में टिके रहना सीख लिया है। धीरे-धीरे ही सही लेकिन अब भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है और सत्ता के दरबार में भाजपा ने जिस तरह से अपने आपको अंगद के पैर की तरह स्थापित किया है ,उसे कोई चुनौती नहीं दे पा रहा है। अलबत्ता आम चुनावों में सबने मिलकर भाजपा की सत्ता को हिलाने की अभिनव कोशिश की थी। गनीमत है कि बिहार विधानसभा की 4 सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में आईएनडीआईए गठबंधन के बीच सीटों का बँटवारा सौहार्दपूर्ण तरीके से हो गया। यहां 3 सीटें राजद और एक सीट माकपा 'माले' को मिली है। कांग्रेस के लिए मप्र में कोई समस्या पहले से ही नहीं थी ,लेकिन महाराष्ट्र में सीटों का बंटवारा अभी तक अधर में है। महाराष्ट्र में महाराष्ट्र विकास अगाडी की गाडी सीटों के बंटवारे को लेकर आगे ही नहीं बढ़ रही है। शिवसेना 'ठाकरे' गुट और कांग्रेस में बात बन नहीं रही है और ऐसा लगता है कि ये गठबंधन बिखर जाएगा,लेकिन यदि ऐसा होता है तो कांग्रेस को तो कोई नुक्सान नहीं होने वाला लेकिन उद्धव ठाकरे की फजीहत हो जाएगी। शरद पंवार साहब की एनसीपी भी अकेले दम पर भाजपा को रोकने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में इन तीनों प्रमुख घटकों को हिकमत अमली से फैसला करना पडेगा। अब ये महाराष्ट्र विकास अगाडी को तय करना है की वे अपने और महाराष्ट्र के हित में झुकते हैं या नहीं ? महाराष्ट्र जैसी ही दशा उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले उपचुनावों को लेकर है। यहां कांग्रेस कम से कम 5 सीटें चाहती है और समाजवादी पार्टी शायद इसके लिए राजी नहीं है /आपको याद है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन के चलते ही आम चुनावों के दौरान भाजपा के अश्व्मेद्ध को उत्तर प्रदेश में रोका जा सका था ,अन्यथा न सिर्फ खुद के लिए 370 सीटें हासिल करती अपितु 400 पार भी कर लेती तो कोई हैरानी न होती। इन तमाम अटकलों के बीच इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर सरगरमी बढ़ी है. कांग्रेस के आला नेता राहुल गांधी, राजद के तेजस्वी यादव सहित राजद की पूरी टीम रांची में थी. सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में दिनभर मंथन हुआ. फिलहाल सहमति बनी है कि झामुमो के खाते में 41 से 42 सीटें जा सकती है. वहीं, कांग्रेस 28-29 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. वहीं वाम दलों को चार सीटें मिल सकती है. माले को बगोदर, निरसा और राजधनवार या सिंदरी मिल सकता है. वहीं सीपीआइ को भी एक सीट देने की चर्चा है. गठबंधन में राजद को पांच से छह सीट देने की तैयारी है।

झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन 81 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगा। हम 81 सीट पर जेएमएम, कांग्रेस और राजद मिलकर चुनाव लड़े थे। इस गठबंधन में नये सहयोगी भी शामिल हुए. हैं। अब लेफ्ट पार्टी की भी भूमिका होगी. इस चुनाव में पहले चरण की बातें हुई हैं. 70 सीटों पर कांग्रेस और जेएमएम लड़ेंगे. बचे हुए सीट पर सहयोगी लड़ेंगे. कौन कहां से लड़ेगा, उसका फैसला बाद में होगा। महाराष्ट्र में सपा हो या उद्धव ठाकरे की शिवसेना या एनसीपी यदि जरा भी हठधर्मी दिखाते हैं तो यहां भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। इंडिया गठबंधन हरियाणा विधानसभा चुनाव में गर्म दूध से जल चुका है ,इसलिए उसे अब महाराष्ट्र और झारखण्ड में छाछ भी फूंक-फूंककर पीना चाहिए। जल्दबाजी में जबान जलने का खतरा बना ही रहेगा। आज की स्थिति में विपक्ष के पाँव अपनी ताकत बढ़ाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है ,क्योंकि अब 'मोदी हटाओ' का नारा तो 2029 में ही लगाया जा सकेगा। विपक्ष यदि अगले आम चुनाव तक एक न रहा तो भाजपा के लिए तमाम क्षेत्रीय दलों को समाप्त करना आसान हो जाएगा। 2029 अभी बहुत दूर है। इसलिए सभी को आज की बात करना चाहिए, सुनना चाहिए।

▪ राकेश अचल

शांति-अमन के आकाश की कल्पना और वैश्विक युद्ध का तीसरा मोर्चा उत्तरी कोरिया

स्वाती वर्मा

क्या संयुक्त राष्ट्र संघ और एमनेस्टी इंटरनेशनल की भूमिका बेमानी हो गई हैं। क्या मानवीय संवेदनाओं की आशाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। वैश्विक शांति और अमन की कल्पनाओं से परे वैश्विक युद्ध की आशंका में उत्तर कोरिया ने भी अपना मोर्चा खोल दिया है।उत्तर कोरिया की आधिकारिक न्यूज़ एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच अब तनाव बढ़ने लगा हैद्य उत्तर कोरिया में दक्षिण कोरिया के सामरिक एवं महत्वपूर्ण ड्रोन का उत्तर कोरिया के हवाई क्षेत्र में सर्वे करने के दौरान उत्तर कोरिया ने इसे चिन्हित कर अपनी संप्रभुता की सीमाओं पर हमला करार किया है और स्पष्ट रूप से कह दिया है कि यदि दक्षिण कोरिया अपने ड्रोन इसी तरह उत्तर कोरिया की सीमा पर भेजेगा तो उत्तर कोरिया इसे अपने पर हमला मानेगा और इसका मुंह तोड़ जवाब देने के लिए उत्तर कोरिया तैयार है ।उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर बड़े हमले की चेतावनी भी दे डाली है। इन परिस्थितियों में विश्व में चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध तथा इसराइल हमास लेबनान ईरान युद्ध के अलावा उत्तर कोरिया ने हमले की धमकी देकर एक नये युद्ध का मोर्चा खोल दिया हैद्य यह तो सर्व विदित है कि उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन एक सनकी तानाशाह है और अमेरिका पर परमाणु युद्ध के हमले की गाहे-बगाहे धमकियां भी दिया करता हैद्य उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया की किसी भी हिमाकत पर उस पर हमला कर सकता हैद्य उधर रूस यूक्रेन युद्ध को 2 वर्ष पूरे हो चुके है कई प्रभावशाली प्रयासों के बाद भी युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है रूस के व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन

के व्लादिमीर जेलेन्स्की हास्य कलाकार होने के बावजूद यूक्रेन के लिए त्रासदी के नायक बन गए हैं। दोनों देशों में हजारों नागरिक एवं सैनिक मारे जा चुके हैं इसके अलावा अरबों डॉलर की संपत्ति का भारी नुकसान भी हुआ है। इसराइल हमास लेबनान तथा ईरान के मध्य युद्ध अपने पूरे शबाब पर है। इजरायल के आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह के कमांडर याह्या सिंनवार को रॉकेट लांचर से मार देने के बाद इसके जवाब में लेबनान से इजरायल के सिरोसिया शहर में जहां इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का आधिकारिक निवास है में लगभग 55 रॉकेट लांचर दागे थे इसराइल के प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी सारा घर से बाहर होने के कारण पूरी तरह सुरक्षित हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने अपने बयान में बताया की इस तरह के और हमले अभी जारी रहेंगे। पूरा विश्व इस समय विश्व युद्ध की कगार पर है और यदि उत्तर तथा दक्षिण कोरिया के मध्य युद्ध होता है तो निश्चित तौर पर अमेरिका साउथ कोरिया की तरफ से एवं रूस,चीन नॉर्थ कोरिया की तरफ से इस युद्ध में शामिल हो सकते हैं। पूरा विश्व दो भागों में बट गया है एक तरफ रूस,चीन, नॉर्थ कोरिया, पाकिस्तान तथा पश्चिम एशिया के देश होंगे तथा दूसरी तरफ अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, इजरायल तथा अन्य देश के युद्ध में शामिल होने की संभावना बलवती हो रही हैद्य भारत लगातार रूस-यूक्रेन, इसराइल-हमास युद्ध को रोकने के लिए प्रयासरत है और इस प्रयास के अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री ने रूस तथा यूक्रेन की आधिकारिक यात्राएं भी की है। परंतु दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के अडियल रवैये के कारण शांति वार्ता संभव नहीं हो पाई, परंतु जैसा पुतिन ने अपने वक्तव्य में बताया की रूस यूक्रेन के साथ युद्ध विराम शांतिपूर्वक तरीके से करना चाहता है पर यूक्रेन इस वार्ता से पीछे हटकर अमेरिका तथा नाटो देशों के दम पर इनकार कर दिया हैद्य रूस यूक्रेन युद्ध से अमेरिका रूस का बड़ा विरोधी बनकर लगभग 15 साल पीछे जा चुका है एवं उसकी मुद्रा डॉलर की कीमत भी अब वैश्विक स्तर पर काम होते जा रही है। रूस के नुकसान के साथ-साथ अमेरिका को भी काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी हैद्य पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हमेशा रूस के लिए और शांति प्रयासों के लिए फिक्रमंद रहते हैं यह यह तथ्य वैश्विक शांति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम भी है और भारत के प्रधानमंत्री को उन्होंने रूस आमंत्रित भी किया है। पूरी दुनिया वैश्विक युद्ध के परिणाम से अच्छे तरह से वाकिफ है पूर्व के विश्व युद्ध में जापान के नागाशाकी तथा हिरोशिमा की भयानक मानवीय त्रासदी को हर देश के नागरिक अच्छे से महसूस करते हैं। अतः विश्व युद्ध को हर संभव प्रयासों से रोका जाना चाहिए अन्यथा विश्व युद्ध मानवता के विकास के लिए एक बडा अवरोध और विनाशक होगी।

लेखक, चिंतक एवं स्तंभकार हैं।

अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ तबाही मचा रहे हैं

विजय गर्ग

अंततः ऐसे सभी हानिकारक रसायन धीरे-धीरे हमारी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। परिणामस्वरूप हमने पाया है कि अधिकतर लोग बहुत सी एलर्जी प्रतिक्रियाओं और अन्य स्वास्थ्य बीमारियों से पीड़ित हैं। इसके विपरीत हम इन प्रतिक्रियाओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए विभिन्न प्रकार के एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करते हैं। और वो एलोपैथिक दवाइयां हमारे लिए और भी मुसीबत खड़ी कर रही हैं।

भोजन इस ग्रह पर प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है। हमें अपने भोजन से ऊर्जा और आवश्यक सूक्ष्म और स्थूल पोषक तत्व मिलते हैं। लेकिन आजकल यह बुनियादी आवश्यकता इसकी सामग्री में विभिन्न प्रकार की मिलावट से ग्रस्त है। हम अपनी खाद्य श्रृंखला में अपनी अज्ञानता या अपनी मजबूरी के कारण बहुत सारे कीटनाशकों, कीटनाशकों और अन्य प्रकार के खरपतवारनाशी रसायनों का लगातार उपयोग कर रहे हैं। क्योंकि आजकल विभिन्न प्रकार के कीटों से छुटकारा पाने के लिए हमारी वनस्पतियों और अन्य खाद्य पदार्थों में इस प्रकार के रसायनों का उपयोग करना बहुत अनिवार्य हो गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसे कीटनाशक हमारी वनस्पति के लिए, उनकी अधिकतम उपज और सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। लेकिन एक कहावत है कि अति हर चीज की बुरी होती है। ऐसे रसायनों का उपयोग करने की हमारी अति निर्भरता की आदत हमारे लिए विनाश पैदा कर रही है। क्योंकि हम जानते हैं कि अंततः ये हानिकारक रसायन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हमारी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। आजकल हम विभिन्न प्रकार के हानिकारक खरपतवारों और अवांछित घास के उन्मूलन के लिए अक्सर कीटनाशकों का उपयोग कर रहे हैं। यहां तक कि मक्का और गेहूं जैसी हमारी मुख्य फसलों में भी हम उचित उपज प्राप्त करने के लिए हर साल लगातार ऐसे कीटनाशकों का उपयोग कर रहे हैं। यहां तक कि हमारी सब्जियों और फलों में भी बहुत सारे रसायन और संरक्षक होते हैं। हमारे बाजार पूरे

वर्ष हर प्रकार के फलों और सब्जियों से भरे रहते हैं। यहां तक कि हम पूरे वर्ष अपने बाजारों से बेमौसमी फल और सब्जियां भी प्राप्त करते हैं। हालाँकि हम आम तौर पर इन खाद्य पदार्थों को उनके उपभोग से पहले धोते हैं। लेकिन इन रसायनों का कुछ प्रतिशत आम तौर पर इन खाद्य पदार्थों में निहित होता है। अंततः ऐसे सभी हानिकारक रसायन धीरे-धीरे हमारी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। परिणामस्वरूप हमने पाया है कि अधिकतर लोग बहुत सी एलर्जी प्रतिक्रियाओं और अन्य स्वास्थ्य बीमारियों से पीड़ित हैं। इसके विपरीत हम इन प्रतिक्रियाओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए विभिन्न प्रकार के एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करते हैं। और वो एलोपैथिक दवाइयां हमारे लिए और भी मुसीबत खड़ी कर रही हैं।

हम इस कहर से कैसे छुटकारा पाएं, ये हम सभी के लिए ज्वलंत मुद्दा है। हमारा मानना है कि इस खतरे **का सबसे प्रशंसनीय** समाधान जैविक उत्पादों और खाद्य पदार्थों का उपयोग है। जैविक खेती के प्रयोग से हम इन रसायनों के दुष्प्रभाव से छुटकारा पा सकते हैं। हालाँकि, जैविक खेती में हमें वांछित और पर्याप्त मात्रा में फसल की पैदावार नहीं मिल पाती है। लेकिन, यह हमें कई स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। हमारे लिए केवल दो ही विकल्प उपलब्ध हैं, यदि हम ऐसे रसायनों का उपयोग करते हैं तो हमें अधिक उत्पादन मिलेगा और यदि हम जैविक खेती का उपयोग करते हैं तो हमें कम उत्पादन मिलेगा लेकिन शुद्ध और स्वच्छ। विकल्प हमारा है, लेकिन हम अपने स्वास्थ्य के साथ समझौता नहीं कर सकते। अस्वास्थ्यकर और मिलावटी खाद्य पदार्थों की चाहत में। ये हानिकारक रसायन धीरे-धीरे भूजल और हमारी मिट्टी में प्रवेश करते हैं और इन प्राकृतिक संसाधनों की मूल बनावट और गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। हालाँकि ये हानिकारक रसायन न केवल इस धरती पर मनुष्यों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि अन्य निम्न प्राणियों पर भी विभिन्न प्रकार के प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। इन रसायनों से अनेक लाभकारी सूक्ष्मजीव प्रभावित होते हैं। ऐसे हानिकारक उत्पादों के अत्यधिक उपयोग से विभिन्न अन्य निचले प्राणियों के आवास सहित हमारा पूरा पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। हमारी खाद्य श्रृंखला के इस डिज़ाइन को बदलने की तत्काल आवश्यकता है। अन्यथा आने वाले दिनों में इन रसायनों के कारण हमें और अधिक परेशानी होगी। कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि हमारे खाद्य उत्पादों में ऐसे रसायनों के अत्यधिक उपयोग के कारण होमोसेपियंस का जीवन धीरे-धीरे केमिकोसैपियंस में परिवर्तित हो रहा है। इस दिशा में जन जागरूकता की नितांत आवश्यकता है। हमारा कृषिविशेषज्ञ इस समस्या की गंभीरता को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, वे हमारे किसानों को इस दिशा में अधिक सहज तरीके से मदद कर सकते हैं। हालाँकि वे पहले से ही इस दिशा में काम कर रहे हैं लेकिन वर्तमान समय में इस पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। एक तरफ हम अपने स्वास्थ्य के लिए विभिन्न उपायों और योजनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं तो दूसरी तरफ हम अस्वास्थ्यकर भोजन की इस धीमी विषाक्तता को प्राथमिकता दे रहे हैं।

आज का इतिहास

भारतीय एवं विश्व इतिहास में 22 अक्टूबर की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं।

- 1867 » नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलंबिया की आधारशिला रखी गयी।
- 1875 » अर्जेंटीना में पहले टेलीग्राफिक कनेक्शन की शुरुआत हुई।
- 1879 » ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला राजद्रोह का मुकदमा बसुदेव बलवानी फड़के के खिलाफ।
- 1883 » न्यूयार्क में ओपेरा हाउस का उद्घाटन हुआ।
- 1900 » भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ का जन्म हुआ।
- 1937 » प्रसिद्ध हिन्दी फ़िल्म अभिनेता कादर खान का जन्म हुआ।
- 1962 » भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना 'भाखड़ा नांगल' राष्ट्र को समर्पित की गई।
- 1964 » फ्रांसीसी दार्शनिक और लेखक ज्यां पाल सार्त्र ने नोबेल पुरस्कार ठुकराया।
- 1975 » 'वीनस-9' अंतरिक्षयान का शुक्र ग्रह पर अवतरण।
- 2004 » अंक्टाड रिपोर्ट के अनुसार विदेशों में निवेश में भारत 14वें स्थान पर।
- 2006 » अफगानिस्तान में अधिक नशीली दवाएँ जब्त की गईं।
- 2007 » चीनी राष्ट्रपति हू जिंताओ ने लगातार दूसरी बार सत्तारूढ़ चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी की कमान सम्भाली।
- 2008 » इसरो ने भारत के पहले चंद्रयान मिशन चंद्रयान-1 का प्रक्षेपण किया। इस मिशन से चंद्रमा पर पानी के होने का पता लगा।
- 2014 » माइकल जेहाफ बिडायु ने ओटावा में कनाडा के संसद पर हमला किया, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गयी और तीन अन्य घायल हो गये।
- 2016 » भारत ने कबड्डी विश्व कप जीता।

पब्लिक एशियाः पत्र पंजीकरण संख्याः HARHIN/2011/40057, स्वामी मुकेश वत्स के लिए मुद्रक, प्रकाशक, स्वाति वर्मा ने पब्लिक एशिया E- 33, सैक्टर-7 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित करवाकर कार्यालय पब्लिक एशिया हाउस, शॉप नो.-8 ईदगाह रोड, नियर रेलवे स्टेशन, मॉडल टाउन, पानीपत, 132103, हरियाणा से प्रकाशित किया से प्रकाशित किया। E-mail: publicasia1989@gmail.com, website: www.publicasia.in, स्वाति वर्मा (संपादक), मुख्य कार्यालय : पब्लिक एशिया हाउस 686 जी, न्याय खंड 2 इंदरापुरम गाज़ियाबाद(उ.प्र)। Mobile No. 8287879604, 9891945513, 0120-2605513 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होगें।
वैघानिक सूचना-पाठकों को सलाह दी जाती है की किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच- पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापन के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने गृह, वित्त और आबकारी समेत तेरह विभाग रखे

- अनिल विज को ट्रांसपोर्ट समेत तीन विभाग
- पहली बार सदन में आई आरती राव और श्रुति चौधरी को महत्वपूर्ण विभाग

नईम खान पब्लिक एशिया

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रविवार रात अपने मंत्रिमंडल सदस्यों को विभागों का बटवारा कर दिया है। सैनी ने गृह,वित्त और आबकारी विभाग अपने पास रखा है। गृह,वित्त और आबकारी विभाग राज्य के विकास से सीधे संबंध रखते है।

सैनी के पास 13 से ज्यादा विभाग हैं। खास बात यह है कि गृह, वित्त और आबकारी मंत्रालय भी मुख्यमंत्री के पास ही रहेगा। इस लिहाज से वह भाजपा सरकार के पिछले सीएम मनोहर लाल खट् टर और कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे भूपेंद्र हुड् डा से भी ताकतवर बने हैं। वर्ष 2005 से लेकर 2014 तक मुख्यमंत्री रहे भूपेंद्र हुड् डा के पास कभी वित्त और आबकारी विभाग नहीं रहा। यह विभाग दूसरे मंत्रियों को दिए गए थे।

उसके बाद 2014 से 2023 तक मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट् टर के पास बड़े विभाग जरूर रहे। 2014 में खट् टर के पास गृह विभाग था लेकिन वित्त विभाग नहीं था। 2019 में जब दूसरी बार भाजपा की सरकार बनी तो गृह विभाग अनिल विज को देना पड़ा। हालांकि खट् टर ने सी आई डी विभाग अपने पास रखा । इस बार सीएम सैनी के पास गृह और सीआईडी दोनों ही हैं।प्रदेश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने के बाद 17 अक्टूबर को सीएम नायब सैनी और 13 मंत्रियों ने शपथ ली। इसके बाद रविवार देर रात मंत्रियों को विभाग बांटे गए। सीएम सैनी के बाद अनिल विज को बिजली समेत 3 विभाग दिए गए हैं। पिछली बार गृह विभाग उनके पास था। विज के अलावा विपुल गोयल, श्याम सिंह राणा, कृष्ण कुमार बेदी, आरती राव और गौरव गौतम को 3-3 विभाग गए हैं। महिपाल ढांडा, डॉ. अरविंद शर्मा और राव नरबीर सिंह को 4-4 विभाग मिले हैं। कृष्णलाल पंवार, रणबीर गंगवा, श्रुति चौधरी और राजेश नागर को 2-2 विभाग दिए गए हैं। आरती के पास स्वास्थ्य, विपुल के पास स्थानीय निकाय, ढांडा को शिक्षा, गौरव गौतम को खेल, राणा को कृषि, पंवार को पंचायत और खनन, श्रुति के पास महिला एवं बाल विकास, डॉ. अरविंद को जेल, राव नरबीर को उद्योग, बेदी को सामाजिक न्याय, गंगवा के पास पी डब्ल्यू डीऔर नागर को खाद्य आपूर्ति का अहम विभाग मिला है।

प्रदेश में 2024 का विधानसभा चुनाव ख्छ्क ने सीएम नायब सैनी के चेहरे पर लड़ा। कांग्रेस के माहौल के बावजूद वह 90 सीटों की विधानसभा में 48 सीटें जिताकर बहुमत ले आए। इसी वजह से उनकी राह में कोई रोड़ा न रहे, इसके लिए भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने कड़े फैसले लिए हैं।

गृह एवं सी आई डी विभाग को लेकर 2019 में तत्कालीन सीएम मनोहर लाल खट् टर और अनिल विज के बीच विवाद होता रहा। तब गृह विभाग अनिल विज के पास था और सीआईडी सीएम खुद देखते थे। इसको लेकर दोनों के बीच अकसर कई मामलों में तनातनी हो जाती थी। जिस वजह से ये दोनों विभाग तक अलग करने पड़े। सरकार में इस बार विभागों के बंटवारे में आरती राव, विपुल गोयल, कृष्णलाल पंवार, राव नरबीर और रणबीर गंगवा को बड़े विभाग दिए गए हैं। 2019 की सरकार के मंत्री अनिल विज को इस बार गृह विभाग नहीं दिया गया है। इस लिहाज से उनके विभाग कमजोर माने जा रहे हैं। महिपाल ढांडा को भी 2 ही विभागों से संतुष्ट होना पड़ा है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा

सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/जी, उत्तर रेलवे, अम्बाला द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारो से निम्नलिखित कार्यो के लिए 15.00 बजे तक या कार्य के सामने दिखाई गई समाप्ति की तिथि तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	लगभग लागत (रु.)	बोली प्रतिभूति (रु.)	पूर्ण होने की अवधि	बंद करने और खोलने की तिथि
1	30–विद्युत 35/2024–25 (ओपन टेंडर)	अंबाला डिवीजन के बठिंडा रेलवे स्टेशन पर कैमटेक पैटर्न पर प्लेटफॉर्म 1 से 7 पर क्विक कोच वॉटरिंग व्यवस्था में सुधार और एस.एस.ई/डब्ल्यू/1/चंडीगढ़ के अनुभाग में चंडीगढ़ में पंप नंबर 5 और 6 और ओएच स्टोरेज के बदले गहरे ट्यूबवेल प्रदान करके पानी की आपूर्ति में सुधार और क्षतिग्रस्त एम.एस टैंक नंबर 4 के बदले में टैंक और क्षतिग्रस्त पाइप लाइन के प्रतिस्थापन और नए आरसीसी ओएच टैंक और पुराने आरसीसी ओएच टैंक के साथ नए बोर होल को इंटरलिंक करना के संबंध में विद्युत कार्य।	13052252.62	215300.00	06 महीने	12.11.2024

1) निविदाकर्ताओं को शर्तों के अनुसार PAN/TIN/GST सहित सभी संबंधित पात्र दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रतियों को अपलोड करना आवश्यक है। 2) आवश्यक बोली सुरक्षा नेट बैंकिंग/या भुगतान गेटवे के माध्यम से केवल निविदा की अंतिम तिथि और समय के 15.00 बजे से पहले ही ऑनलाइन भुगतान स्वीकार्य होगी। 3) कार्य निविदाओं की ई–निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकर्ताओं के पास तृतीय श्रेणी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए। 4) विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट www.IREPS.Gov.in पर लॉग ऑन करें। 5) जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के अनुसार जीएसटी लगाया जाएगा।

खुली निविदा संख्या 18/2024–25 दिनांक : 18.10.2024 3262/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रेस अक्रॉस इंडिया में चलाई 3758 किलोमीटर साइकिल

सुनो नहरों की पुकार मिशन ने किया स्वीटी मलिक का स्वागत

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक, » श्रीनगर से कन्याकुमारी तक 3758 किलोमीटर चला कर दूसरे स्थान पर रही जानी मानी साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक का रोहतक पहुंचने पर सुनो नहरों की पुकार मिशन टीम द्वारा भव्य स्वागत किया गया । मिशन के मुख्य संरक्षक डॉ जसमेंर सिंह व् संरक्षक दीपक छारा ने बताया कि आज सुनो नहरों की पुकार मिशन टीम ने मिशन की कोषाध्यक्ष स्वीटी मलिक व् उनके साथ गए हेल्थ सुपरवाइजर रविंद्र मलिक का यहाँ पहुंचने पर मिशन के वरिष्ठ सदस्य डॉ रविंद्र नांदल व् प्रीति सिंह अहलावत ने मेडल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया । वही मिशन के अन्य सदस्यो द्वारा फूलमालाओं से सम्मानित किया । डॉ जसमेर सिंह ने बताया कि मिशन की सदस्य कश्मीर से कन्याकुमारी तक 3758 किलोमीटर की दूरी जो की इंडियन ऑयल के द्वारा आयोजित की गई थी रेस एक्रॉस इंडिया जिसमें स्वीटी मलिक की टीम अंक सेल्स टाइगर टीम नंबर 4 ने भाग लिया । टीम मैं चार सदस्य रहे उन्होंने 10 अक्टूबर को यह रेस श्रीनगर से आरम्भ कि और 12 कंट्रोल पॉइंट को पूरा करते हुए टीम ने यह दूरी 6 दिन 12 घंटे 48 मिनट में पूरी करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया उन्होंने कहा कि स्वीटी मलिक हरियाणा से एकमात्र प्रतिभागी थी और उन्होंने अपना पूरा एफर्ट्स दिखाते हुए इस रेस में अपनी भागीदारी निभाई, टीम के प्रत्येक सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए बहुत-बहुत बधाई दी और कहा कि आप आने वाले जनरेशन के लिए एक मिसाइल कायम कर रही है वहीं महिलाओं को भी आगे बढ़ाने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है । उन्होंने यह भी बताया कि स्वीटी मलिक ने यात्रा के दौरान जल प्रदूषण, जल संरक्षण व नशे के ऊपर भी जागरूक करने का कार्य किया स्वीटी मलिक ने यहां पहुंचने पर जो टीम का स्वागत किया उसके लिए सुनो नहरों की पुकार मिशन टीम का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया और कहां की मिशन के प्रत्येक सदस्य का प्यार व आशीर्वाद मेरे साथ रहा जिसकी वजह से मैं है यह मिशन पूरा कर पाई और आपको आशा दिलाती हो कि भविष्य में भी मैं जल संरक्षण, जल प्रदूषण व नशे के लिए लगातार लोगों को जागरूक करने के लिए साइकिल चलती रहूंगी और अपने आने वाली पीढ़ी के लिए एक मिसाल बनकर दिखाऊंगी ताकि वो भी भविष्य में आम जन के लिए कुछ अच्छा कार्य कर सके । इस दौरान मिशन के मुख्य संरक्षक डॉ जसमेर सिंह, संरक्षक दीपक छारा, महासचिव मुकेश नैनकवाल, सह सचिव अजय हुड्डा, वरिष्ठ सदस्य डॉ रविंद्र नांदल, प्रीत सिंह अहलावत, रविन्द्र मलिक,करण सिंह अहलावत, साहब सिंह धामड, ईश्वर सिंह दलाल, सतबीर सिंह छिकारा, वेदपाल नैन, कैप्टन जगबीर मलिक, राजवीर मलिक, रणवीर मलिक, राजेश नरवाल, राज प्रकाश धनखड़, मिथिलेश हुड्डा, मीनूसिंह, कमलेश राणा, अजमेर हुड्डा, हार्दिक हुड्डा, जतिन मलिक, विकास कुमार, अंशु नांदल, आदित्य, हितेश जाखड़,अशोक आदि उपस्थित रहे ।

पिछली सरकारों ने जेलों को सुधार घर बनाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया : लालजीत सिंह भुल्लर

जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर द्वारा केंद्रीय जेल लुधियाना का अचानक निरीक्षण

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़/लुधियाना » पंजाब के जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर आज स्थानीय केंद्रीय जेल का अचानक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ने कैदियों को दरपेश समस्याएं सुनी और उनसे जेल अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, दिये जा रहे खाने आदि के बारे जानकारी हासिल की। निरीक्षण के बाद लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पिछली राज्य सरकारों ने जेलों को सुधार घर बनाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि

यहां गैंगस्टरों का बोलबाला था लेकिन अब मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली सरकार द्वारा जेलों को सही मायने में सुधार घर के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जेलों में मोबाइल से संबंधित हर प्रकार की गतिविधियों पर नकेल डालने के लिए हर प्रकार का उपाय किया गया है। इसके अलावा एडवांस तकनीक वाले सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। जेल मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने जेलों के बुनियादी ढांचे के विकास की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने पंजाब के लोगों से अपील की कि वे अपने सपनों का पंजाब देखने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार का साथ दें। केंद्रीय जेल के सुपरिटेंडेंट श्री शिवराज सिंह नंदगढ़ द्वारा जेल में किए गए अच्छे प्रबंधन की कैबिनेट मंत्री ने प्रशंसा की और भविष्य में भी जेल के अंदर अच्छे प्रबंधन जारी रखने के लिए कहा। इससे पहले उन्होंने जेल का निरीक्षण किया और संतोष प्रकट किया। इस मौके पर उनके साथ जेल सुपरिटेंडेंट श्री शिवराज सिंह नंदगढ़ के अलावा पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारी भी मौजूद थे।

मुख्य समाचार

पिछली सरकारों ने जेलों को सुधार घर बनाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया : लालजीत सिंह भुल्लर

जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर द्वारा केंद्रीय जेल लुधियाना का अचानक निरीक्षण

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़/लुधियाना » पंजाब के जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर आज स्थानीय केंद्रीय जेल का अचानक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ने कैदियों को दरपेश समस्याएं सुनी और उनसे जेल अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, दिये जा रहे खाने आदि के बारे जानकारी हासिल की। निरीक्षण के बाद लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पिछली राज्य सरकारों ने जेलों को सुधार घर बनाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि

यहां गैंगस्टरों का बोलबाला था लेकिन अब मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली सरकार द्वारा जेलों को सही मायने में सुधार घर के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जेलों में मोबाइल से संबंधित हर प्रकार की गतिविधियों पर नकेल डालने के लिए हर प्रकार का उपाय किया गया है। इसके अलावा एडवांस तकनीक वाले सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। जेल मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने जेलों के बुनियादी ढांचे के विकास की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने पंजाब के लोगों से अपील की कि वे अपने सपनों का पंजाब देखने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार का साथ दें। केंद्रीय जेल के सुपरिटेंडेंट श्री शिवराज सिंह नंदगढ़ द्वारा जेल में किए गए अच्छे प्रबंधन की कैबिनेट मंत्री ने प्रशंसा की और भविष्य में भी जेल के अंदर अच्छे प्रबंधन जारी रखने के लिए कहा। इससे पहले उन्होंने जेल का निरीक्षण किया और संतोष प्रकट किया। इस मौके पर उनके साथ जेल सुपरिटेंडेंट श्री शिवराज सिंह नंदगढ़ के अलावा पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारी भी मौजूद थे।

सांसद विक्रम साहनी ने 30 युवाओं को बैंक में रोज़गार दिलवाया, 500 नौकरियां और देने के लिए किया आश्वस्त

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » पंजाब के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज पंजाब भवन, चंडीगढ़ में एक प्रमाण पत्र वितरण

समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर 30 ग्रेजुएट्स को राज्य सभा सांसद डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, जो कि सन फाउंडेशन के चेयरमैन भी हैं, ने रोजगार सृजन मंत्री अमन अरोड़ा के साथ प्रमाण पत्र प्रदान किए। यह वह ग्रेजुएट्स हैं, जिन्होंने बैंकिंग, फाइनेंसियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर स्किल कोर्स पूरा करने के बाद विभिन्न बैंकों में सफलतापूर्वक नौकरी पा ली है। डॉ. साहनी ने बताया कि इन छात्रों को आईएफएम फिनकोच के सहयोग से सन फाउंडेशन द्वारा फंडेड स्किल डेवेलपमेंट प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षित किया गया था और इन्होंने एक्सिस बैंक, यस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और स्टार हेल्थ इंश्योरेंस जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में प्लेसमेंट हासिल किया है। डॉ. साहनी ने कहा कि वे पंजाब में अपने विभिन्न विश्व स्तरीय कौशल केंद्रों में औपचारिक रूप से बीएफएसआई स्किल डेवेलपमेंट प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं और पंजाब के 500 से अधिक युवाओं को रोजगार देने के लिए विभिन्न बैंकों से आदेश प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने पंजाब के युवाओं से अपील की कि वे इस निःशुल्क कार्यक्रम में आकर अपना नामांकन करवा सकते हैं और विभिन्न बैंकों में नौकरी पा सकते हैं। इस अवसर पर पंजाब के रोजगार सृजन मंत्री अमन अरोड़ा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रोग्राम पंजाब के युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है। मैं हमारे युवाओं के उत्थान और स्किल डेवेलपमेंट के इस सराहनीय प्रयास के लिए छात्रों और सन फाउंडेशन को बधाई देता हूं।'

फ्रांस का ऑफिशियल एजुकेशन फेयर 'चूज़ फ्रांस टूर 2024' आयोजित

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » 'चूज़ फ्रांस टूर 2024' चंडीगढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जो पाँच प्रमुख भारतीय शहरों में आयोजित एजुकेशन फेयर की श्रृंखला में मील का पत्थर साबित हुआ। सेक्टर 35 में आयोजित इस कार्यक्रम में फ्रांस में उच्च शिक्षा के अवसरों को तलाशने के लिए उत्सुक भारतीय छात्रों और उनके परिवारों की ओर से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया देखी गई। फ्रेंच गवर्नमेंट और कैंपस फ्रांस द्वारा आयोजित इस टूर में 50 से अधिक प्रतिष्ठित फ्रेंच यूनिवर्सिटीज और हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स शामिल थे। इस फेयर ने उपस्थित लोगों को एकेडेमिक प्रतिनिधियों से सीधे जुड़ने, विविध अध्ययन कार्यक्रमों की खोज करने और फ्रांस में स्कॉलरशिप, वीजा और स्टूडेंट्स लाइफ पर पर्सनल गाइडेंस प्राप्त करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया। फ्रांस में अध्ययन के लाभों पर जोर देते हुए, भारत में फ्रांस के अम्बेसडर डॉ. थिएरी माथ्यू ने कहा, 'फ्रांस के दरवाज़े भारतीय छात्रों के लिए व्यापक रूप से खोलने के लिए चूज़ फ्रांस टूर का छठा संस्करण भारत का दौरा है। उच्च शिक्षा के लिए फ्रांस को चुनने का मतलब है गुणवत्ता और उत्कृष्टता की गारंटी चुनना जो आपके करियर की संभावनाओं को मजबूत करेगा। फ्रेंच यूनिवर्सिटी विश्व स्तर के हैं - शंघाई रैंकिंग में फ्रांस विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है, और हमारे पास 76 नोबेल पुरस्कार विजेता और 15 फील्ड्स पदक विजेता हैं। आप सभी का फ्रांस में स्वागत है!' इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, हॉस्पिटैलिटी, आर्ट्स, आर्किटेक्चर और अन्य क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रमों सहित शैक्षणिक पथों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई। हाई-स्कूल स्नातकों और अन्य भावी छात्रों को कैंपस फ्रांस के सलाहकारों के साथ मुफ्त परामर्श सत्रों से लाभ हुआ, जिससे उन्हें विभिन्न कैरियर अवसरों को नेविगेट करने में मदद मिली।

रघुवीर कादियान प्रोटेम स्पीकर नियुक्त, नए चुने गए विधायकों को 25 को शपथ दिलाएंगे

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करते हुए विधायको को शपथ दिलाने और स्पीकर के चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के लिए भी वरिष्ठ कांग्रेस विधायक डॉ रघुवीर कादियान को भी लगातार तीसरी बार प्रोटेम स्पीकर चुना है। कादियान वर्ष 2014और 2019में भी प्रोटेम स्पीकर चुने गए थे। कादियान 25अक्टूबर को विधानसभा के एक दिन के सत्र में सभी नए निर्वाचित नब्बे विधायकों को शपथ दिलाएंगे और स्पीकर का चुनाव कराएंगे।पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई भाजपा की ओर से घरौंदा के विधायक हरविंदर कल्याण को स्पीकर बनाए जाने के आसार है।

विधानसभा का विशेष सत्र शुक्रवार को आयोजित होगा। सत्र एक ही दिन का हो सकता है। निकट ही आते त्यौहार दिवाली के बाद नियमित सत्र बुलाया जाएगा। शुक्रवार के सत्र में सभी विधायकों के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक डॉ. रघुबीर सिंह कादियान बेरी हलके से विधायक चुने गए हैं। वे हरियाणा सरकार में विभिन्न विभागों के मंत्री भी रह चुके हैं। हुड्डा सरकार के पहले कार्यकाल 2005 से 2009 में डॉ. कादियान हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। यह चौथा मौका होगा जब वे विधायकों को शपथ दिलाएंगे।

17 अक्तूबर को नायब सरकार का गठन होने के बाद 18 अक्तूबर को कैबिनेट की पहली बैठक हुई, जिसमें विधानसभा सत्र को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया था। हालांकि, कैबिनेट ने सत्र का निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अधिकृत किया था। अब सरकार ने शुक्रवार के सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। हरियाणा सरकार ने विधानसभा सचिव को पत्र लिखकर तैयारियों को शुरू करने का निर्देश दिया है। डॉ. कादियान 16 वर्षों

तक हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि के प्रोफेसर रहे हैं। वे हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी के साथ-साथ रूसी भाषा के भी जानकार हैं और किसान परिवार से जुड़ें हैं। उनके परिवार ने समाजसेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें झज्जर के नेहरू कॉलेज के लिए जमीन दान देना शामिल है। विद्यार्थी जीवन से ही राजनीति में सक्रिय डॉ. कादियान ने 1965-66 के दौरान हरियाणा छात्र संघ की स्थापना की। वह कई बड़े आंदोलनों में भी शामिल रहे हैं और 2004 में नयी दिल्ली में 'हरियाणा रत्न' से सम्मानित किया गया।

डॉ. रघुबीर सिंह कादियान 1987 में बेरी हलके से लोकदल टिकट पर पहली बार विधायक बने। इसके बाद वे कुछ चुनाव हार गए। बाद में उन्होंने लोकदल छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया। कांग्रेस टिकट पर पहली बार उन्होंने 2000 में बेरी से चुनाव जीता। 2000 के बाद से अब तक हुए सभी छह चुनावों में उन्होंने जीत दर्ज की है।मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल में 2014 में उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाया गया था और उन्होंने सभी विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। 2019 में भी उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाया गया था। इस बार भी, चूंकि वे सबसे वरिष्ठ विधायक हैं, इसलिए सरकार ने उन्हें प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। वे शुक्रवार को सभी विधायकों को शपथ दिलाएंगे।

हरियाणा विधानसभा के स्पीकर (अध्यक्ष) का चुनाव भी शुक्रवार को होगा। पहले प्रोटेम स्पीकर डॉ. रघुबीर सिंह कादियान सभी विधायकों को शपथ ग्रहण करवाएंगे, इसके बाद स्पीकर का चुनाव होगा। भाजपा 48 विधायकों के साथ पूर्ण बहुमत से सरकार में है। ऐसे में स्पीकर के चुनाव में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी। माना जा रहा है कि घरौंडा से लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने वाले हरविंद्र सिंह कल्याण को विधानसभा स्पीकर बनाया जा सकता है।करनाल जिले की सभी पांच सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। लेकिन कैबिनेट में एक भी विधायक को शामिल नहीं किया गया है। करनाल को प्रतिनिधित्व देने के लिए ही हरविंद्र सिंह कल्याण को स्पीकर बनाने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

फिलहाल विधानसभा का सत्र एक दिन का ही होगा। दिवाली के बाद फिर से सत्र बुलाया जाएगा, जिसकी अवधि दो से तीन दिन हो सकती है। दिवाली के बाद होने वाले सत्र में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का अभिभाषण होगा। इस सत्र में नायब सरकार द्वारा आधा दर्जन के लगभग विधेयक भी पेश किए जाएंगे। नायब सरकार अपने पहले कार्यकाल में कई अध्यादेश जारी कर चुकी है, जिसमें कौशल रोजगार निगम के जरिए कार्यरत कर्मचारियों को 58 वर्ष की रिटायरमेंट उम्र तक रोजगार की गारंटी एवं स्थानीय निकायों में बीसीए को आरक्षण देने के अध्यादेश प्रमुख हैं।

आने वाले समय में प्रदेश के शेष बचे गांव में उपलब्ध होगी 24 घंटे बिजली की सुविधा : कृष्ण लाल पंवार

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » हरियाणा के विकास पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने सोमवार को जिला सचिवालय परिसर में स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद कहा कि डॉ.भीमराव अम्बेडकर का पूरा जीवन समाज को समर्पित रहा है। हमें उनके बताए गए मार्ग पर आगे चलना होगा व उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में धारण करना होगा। इससे पूर्व उन्होंने लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की व उन्हें इस प्रचंड जीत के लिए बधाई दी।

खनन मंत्री कृष्ण पंवार ने कहा कि जिस संगठन के कार्यकर्ता मजबूती से कार्य करते हैं उस संगठन को हमेशा सफलता की ऊंचाइयां उपलब्ध होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है। इसका श्रेय पार्टी की नीतियों व कार्यकर्ताओं की मेहनत को जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 6 हजार से ज्यादा पंचायत है। पंचायतों के सरपंचों के कुछ मुद्दे पिछले दिनों नजर आए थे उन मुद्दों को भी जल्द से जल्द हल करने का प्रयास करेंगे।

मंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास को लेकर वे हमेशा चिंतित रहे है। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान इसराना विधानसभा क्षेत्र में दो दर्जन से ज्यादा पावर हाउस का निर्माण कराया। आज पूरे विधानसभा क्षेत्र के 62 गांवों में लोगों को 24 घंटे बिजली की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इन गांव में भी 24 घंटे बिजली की सुविधा उपलब्ध होगी। पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास के नए आयाम स्थापित करेगी और बराबरी से विकास कार्य कराए जाएंगे। इस मौके पर सुरेन्द्र नोहरा, डॉ.नारंग ने बुके देकर मंत्री का स्वागत किया व उनका कुशल क्षेम जाना। इस मौके पर रोहताश पंवार, पूर्व पार्षद अशोक कटारिया, योगेश भादड़, आनंद मलिक, अमित कुमार समेत सैकड़ो कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

चुनाव आयोग का जवाब मिलने पर ई वी एम मामले ने अदालत जायेंगे : भूपेंद्र हुड्डा

नईम खान, पब्लिक एशिया

चंडीगढ़ » हरियाणा के दो बार मुख्यमंत्री रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा ने सोमवार को कहा कि हरियाणा के हाल के विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार को लेकर ई वी एम की गड़बड़ी पर चुनाव आयोग का जवाब मिलने के बाद पार्टी अदालत में जाएगी।उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के जवाब का इंतजार कर रहे है।, कहीं ऐसा न हो कि मानव पर मशीन भारी पड़ जाए।

हुड्डा बिहार की राजधानी पटना में मीडिया से बात कर रहे थे। हुड्डा ने कहा- 'हमने चुनाव आयोग से शिकायत की है और उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो पार्टी अदालत भी जाएगी। ऐसे न हो जाए कि मानव पर मशीन भारी पड़ जाए...'। प्रदेश में हुए चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में माहौल के बावजूद वह 37 सीटों पर सिमट गई। वहीं भाजपा ने 48 सीटें जीतकर बहुमत पा लिया। जिसके बाद कांग्रेस ई वी एम में गड़बड़ी का आरोप लगा रही है। इसको लेकर कांग्रेस दिल्ली में चुनाव आयोग से मिल चुकी है। जिसमें 20 सीटों के परिणाम में गड़बड़ी की शिकायत की गई है।

कांग्रेस का दावा है कि मतगणना के दिन जिन ई वी एम की बैटरी 99फीसदी चार्ज थी, उनसे भाजपा को बड़ी बढ़त मिली। वहीं जिन ई वी एम की बैटरी 70-75 फीसदी चार्ज थी, उनसे कांग्रेस को बढ़त मिली। कांग्रेस का कहना है कि दिन भर वोटिंग होने के बावजूद ई वी एन 99फीसदी चार्ज कैसे रह सकती है। इसलिए वह गड़बड़ी की शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने जिन सीटों पर शक जताया, उनकी सूची भी चुनाव आयोग को सौंपी थी।मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा था ई वी एम में कोई गड़बड़ी नहीं की गई।

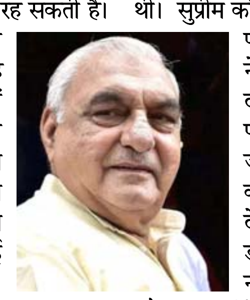

इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के लिए आयोजित की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कह चुके हैं कि ई वी एम में कोई गड़बड़ी नहीं है। उन्होंने कहा कि ई वी एम की बैटरी कैलकुलेटर बैटरी की तरह सिंगल यूज बैटरी होती है। यह मोबाइल बैटरी की तरह नहीं है।

आयुक्त ने ये भी कहा था कि ई वी एम को कम वोल्टेज की आवश्यकता होती है। कमिशनिंग के बाद जब मॉक पोल होता है तो शुरू में 99फीसदी बैटरी दिखती है। इसके साथ ही जब यह 7.4फीसदी से कम वोल्टेज होता है तो यह कम बैटरी दिखाता है। इस मामले में कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट भी गई थी। कांग्रेस की तरफ से प्रिया मिश्रा और विकास बंसल ने 20 सीटों पर वोटिंग-काउंटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। याचिका की जल्द सुनवाई की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, ऐसी याचिका दायर करने पर आप पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। आप कागजात सौंपिए, हम देखेंगे।' चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए पूछा, क्या आप चाहते हैं कि हम चुनी हुई नई सरकार का शपथग्रहण रोक दें? हार के बाद दिल्ली में कांग्रेस ने समीक्षा बैठक बुलाई थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई मीटिंग में राहुल गांधी ने हार की वजह बताते हुए कहा कि हमारे नेताओं के हित पार्टी के हित से ऊपर हो गए थे। इसके बाद राहुल गांधी वहां से चले गए। अध्यक्ष खड़गे का कहना था कि कमेटी बनाई है, उसकी रिपोर्ट के बाद इसके बारे में पता चलेगा। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल और राजस्थान कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी की अगुआई में फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई है। जिसने प्रदेश के 52 हारे उम्मीदवारों से बात की। जिसमें उम्मीदवारों ने हार के लिए गुटबाजी और भीतरघात को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि जिसे टिकट नहीं मिली, उसने विरोधी को वोट डलवाए। कांग्रेस नेताओं ने ही हमें वोट देने से इनकार किया। यही नहीं, इशारों में भूपेंद्र हुड्डा की ही अगुआई पर सवाल खड़े करते हुए कहा गया कि जाट विरोधी वोटरों का भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकरण हो गया। हालांकि कुछ उम्मीदवारों ने ईवीएम पर भी शक जाहिर किया।

सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि चुनाव में कांग्रेस को संगठन की कमी खली। वह खुद भी प्रधान रहीं लेकिन संगठन नहीं बना पाई, इसका उन्हें मलाल है। उन्होंने हार के कारण पर कहा कि पार्टी इसकी समीक्षा कर रही है। भूपेंद्र हुड्डा पर कार्रवाई के मामले में उन्होंने कहा था कि इसका फैसला हाईकमान को करना है। कांग्रेस में हार के बाद मचे घमासान के बीच हरियाणा विधानसभा में विपक्षी दल के नेता का पद लटका हुआ है। इसको लेकर पर्यवेक्षकों ने चंडीगढ़ में विधायकों से मीटिंग की लेकिन नेता विपक्ष का चुनाव नहीं हो पाया। यहां हाईकमान को अधिकार दिए गए। हालांकि इसमें पेंच यह फंस गया कि ज्यादातर विधायकों ने भूपेंद्र हुड्डा की पैरवी की लेकिन सैलजा ग्रुप इसका विरोध कर रहा है।

दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर सुक्खू ने सीमा को दी बधाई

शिमला,21अक्टूबर (वार्ता) हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को प्रदेश चम्बा की बहादुर बेटी सीमा के हांगकांग में आयोजित एशियाई स्तर की 10 हजार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी है। श्री सक्खू ने कहा कि सीमा ने न केवल चम्बा का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। सीमा की इस उपलब्धि के पीछे अथक मेहनत, समर्पण और लक्ष्य के प्रति जुनून है। इससे पहले भी सीमा अपने कौशल से कई पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने कहा, ' यह सफलता सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है। बेटी को मेरी हार्दिक शुभकामनायें।'

27 को होगी मैराथन, करीब एक लाख धावक लेंगे हिस्सा

शहर के जिन मुख्य मार्गों से मैराथन गुजरेगी, उन्हें सजाया जाएगा : एडीसी डॉ. पंकज

राहगीरी की तरह इस मैराथन को भी सफल बनाया जाएगा : संदीप जिंदल

सचिन सिधवानी ,पब्लिक एशिया

पानीपत » अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. पंकज यादव ने सोमवार को जिला सचिवालय में आगामी 27 अक्टूबर को जिला में होने जा रही मैराथन दौड़ की तैयारियों के संदर्भ में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया और इसे सफल बनाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी।

अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. पंकज यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम में एक लाख के करीब धावक भाग लेगें। इसको लेकर प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। इसके संदर्भ में 23 अक्टूबर को भी विभिन्न संगठनों व एसोसिएशन की एक बैठक सचिवालय में आयोजित की जाएगी जिसमें मैराथन की तैयारियों के संबंधी विचार विमर्श किया जाएगा। एडीसी डॉ. पंकज ने बताया कि इस मैराथन का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह द्वारा किया जाएगा। स्थान व समय निर्धारित किया जा रहा है। शहर के मुख्य मार्ग को जहां जहां से मैराथन गुजरेगी उन

रास्तों को सजाया जाएगा। पानी की विशेष व्यवस्था की जाएगी। ट्रैफिक पर विशेष जोर रहेगा। धावकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि मैराथन में हिस्सा लेने वालों को टी शर्ट व हाफ पैंट भी दी जाएगी। एडीसी पंकज यादव ने बताया कि इसके लिए पोर्टल पर इच्छुक धावकों को पंजीकरण कराना अनिवार्य है। शहर की तमाम संगठनो व एसोसिएशन के सहयोग से यह मैराथन होने जा रही है। यह मैराथन ऐतिहासिक होगी व मेगा आयोजन में महिला धावक भी हिस्सा लेगी। जिसमें लाखों रुपये के इनाम दिए जाएंगे। यह मैराथन एचएसवीपी सेक्टर 13-17 से आयोजित होगी।

वहीं राहगीरी टीम के सदस्य संदीप जिंदल ने बताया कि राहगीरी की पूरी टीम इसमें जिला प्रशासन का पूरा सहयोग करेगी और पहले की तरह हुई सफल राहगीरी की तरह ही इस मैराथन दौड़ को भी सफल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म व अन्य प्लेटफार्म के माध्यम से मैराथन में भाग लेने की लोगो से अपील की जा रही है। इसमें भाग लेने के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉटपानीपतमैराथनडॉटइन पर लॉग इन कर रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है। इसके साथ-साथ प्रशासन द्वारा क्यूआर कोड भी दिया गया है जिसको स्कैन कर के पोर्टल पर लॉग इन किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री द्वारा मंडियों से धान की लिफ्टिंग युद्ध स्तर पर करने के आदेश

अनाज की खरीद और लिफ्टिंग में बाधा डालने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अधिकारियों को राज्य भर की मंडियों में खरीदे जा रहे धान की तेजी से लिफ्टिंग सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। राज्य में खरीद कार्यों की समीक्षा के लिए हुई उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में धान की उठाई जल्द से जल्द की जानी चाहिए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य के किसानों ने देश को अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की अन्न सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे अन्नदाताओं ने अपने बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन, पानी और उपजाऊ मिट्टी दांव पर लगा दी है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस साल भी राज्य के किसानों द्वारा 185 लाख मीट्रिक टन धान का योगदान राष्ट्रीय भंडार में दिए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि किसानों को मंडियों में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में धान की निर्बाध खरीद

सुनिश्चित करने के लिए गंभीरता से जुटी हुई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मंडियों में मेहनत से उगाई गई धान की फसल की दुर्गति नहीं होने दी जाएगी और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने धान की खरीद के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं, जिसके तहत राज्य भर में 2651 मंडियों की स्थापना की गई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आरबीआई द्वारा सीसीएल के तहत 41,378 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं और किसानों को समय पर भुगतान जारी किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों से धान की लिफ्टिंग युद्ध स्तर पर करने के लिए कदम उठाए जाएं। इस दौरान बैठक में यह भी बताया गया कि अब तक राज्य की मंडियों में 24.88 लाख मीट्रिक टन की आमद दर्ज की गई है, जिसमें से 22.22 लाख मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा किसानों को भुगतान के लिए पहले ही 4027 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।